हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 21 जुलाई 2025

तापमान
अधिकतम 37 .1 डिग्री
न्यूनतम 24 .5 डिग्री

11 हेल्थ शिविर में कांवड़ यात्रियों को दिया गया निःशुल्क ...

12 बार-बार शिकायतों के बावजूद प्रशासन ...

खबर संक्षेप

गांधरा में युवक ने फंदा लगाकर दी जान

सांपला। खंड के गांव गांधरा के चुलियाणा मोड़ के पास खेतों में एक मजदूर ने फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीजीआई भेज दिया है। रविवार की सुबह पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति खेतों में पेड़ पर फांसी लिए हुए है। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर कपड़ों की तलाशी ली। आधार कार्ड से युवक की पहचान मनोज कुमार पुत्र सुवेदार बाकरिया माझियां जिला हरदोई उत्तरप्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

देह व्यापार में युवक काबू 5 लड़कियां कराई मुक्त

रोहतक। पुलिस छापेमारी करते हुए नया बस स्टैंड के पास स्थित होटल से एक युवक को काबू किया है। होटल में देह व्यापार का अवैध धंधा चल रहा था। आरोपी को पेश अदालत किया गया। अदालत के आदेश पर आरोपी को न्यायिक हिरासत भेजा गया है। होटल से 5 युवतियों को भी मुक्त कराया गया है। सहायक पुलिस अधीक्षक वाईवी आर शशि शेखर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि नया बस स्टैंड के पास स्थित होटल मे देह व्यापार का अवैध धंधा चल रहा है। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए उप पुलिस अधीक्षक गुलाब सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर होटल की तरफ टीम को रवाना किया गया। आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए 31 तक करें आवेदन

रोहतक। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि भारत सरकार ने देश की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने में उत्कृष्ट योगदान देने वाले नागरिकों, संस्थाओं और संगठनों को सम्मानित करने हेतु सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार 2025 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी है। 31 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। यह पुरस्कार स्वतंत्र भारत के निर्माण में राज्यों के एकीकरण हेतु ऐतिहासिक योगदान देने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में स्थापित किया गया है। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि यह पुरस्कार उन व्यक्तियों और संस्थानों को प्रदान किया जाएगा।

बुर्जुगों में दिखा उत्साह

पर्ची बनवाते मतदाता

मतदान करते मतदाता

रोहतक में वैश्य एजुकेशन सोसायटी का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से हुआ सम्पन्न ▶▶ 86 बूथों पर हुआ मतदान

अब तक कुल 105 कॉलिजियम सदस्य जीते 19 सदस्य पहले ही हो चुके निर्विरोध निर्वाचित

निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र बंसल ने शांति प्रिय चुनाव संपन्न होने पर प्रसन्नता जताई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

वैश्य एजुकेशन सोसायटी की 105 कॉलिजियम के लिए होने वाले त्रैवार्षिक चुनावों के लिए रविवार को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न हुआ। कुल 86 बूथों पर 86 कालिजियम सदस्यों के लिए मतदान करवाया गया जबकि 19 सदस्य पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो गए थे। निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र बंसल ने बताया कि जिला रजिस्ट्रार ऑफ सोसायटीज द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक सतीश कुमार आईईओ व मुकेश तथा को-निर्वाचन अधिकारी अजित प्रसाद जैन पूरे दिन उपस्थित रहे और निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव करवाने पर प्रसन्नता व्यक्त की एवं प्रशंशा की। इस दौरान पुलिस बल भी तैनात रहा जिसकी वजह से कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र बंसल ने कहा कि जो लोग चुनाव प्रक्रिया व हमारी कार्यशैली पर आरोप लगा रहे थे स्टाफ सदस्यों व वैश्य समाज के सहयोग से निष्पक्ष चुनाव करवाकर उनके मुँह पर करारा तमाचा मारा है। निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र बंसल ने संस्थान के सभी प्राचार्यो, टीचिंग और नानटीचिंग स्टाफ सदस्यों, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन विशेष तौर पर थाना प्रभारी राकेश सैनी का आभार व्यक्त किया। चुनाव के विजेताओं को निर्वाचन प्रमाण पत्र 25 जुलाई को वितरित किया जाएगा और प्रधान, उप-प्रधान, महासचिव, सह-सचिव, कोषाध्यक्ष सहित 16 गवर्निंग बाडी सदस्यों का चुनाव 10 अगस्त को करवाया जाएगा।

विजय कुमार गोयल व सुभाष गुप्ता चुनाव में जीत दर्ज की

मतदान केंद्रों पर सुरक्षा टाइट

चुनाव को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा भी पूरे इंतजाम किए गए थे। मतदान केंद्रों के बाहर भारी तादाद में पुलिस बल मौजूद रहा। इसकी वजह से सुबह से शाम तक शांति बनी रही।

विपिन गोयल ने भी मारी बाजी

अनिल कुमार और नरेश कुमार जीतने के बाद खुशी मनाते

ये रहे विजेता

1. मनोज गोयल
2. विकास गुप्ता
3. रविंदर कुमार जैन
4. गोविंद बिंदल
5. दुर्गा प्रसाद मित्तल
6. नवनीत गोयल
7. विनय कुमार जैन
8. जय प्रकाश बंसल
9. विकास बंसल
10. वरुण गोयल
11. वीरेन्द्र कुमार
12. राज कुमार
13. विजय अग्रवाल
14. मनीष गुप्ता
15. मुनी लाल गर्ग
16. अमित जिंदल
17. रूपेश गुप्ता
18. विनय गर्ग
19. प्रवीन जिंदल
20. राजेन्द्र प्रसाद तायल
21. दीपक प्रकाश
22. हरि किशन गोयल
23. सुभाष चंद
24. अनुराग
25. पवन कुमार
26. विजय कुमार सिंघल
27. ज्ञान प्रकाश गर्ग
28. कमलेश कुमार गर्ग
29. संत कुमार बिंदल
30. संजय कुमार बंसल
31. भूपेन्दर सिंघला
32. देवेंद्र मित्तल
33. मुकेश कुमार सिंघल
34. जितेन्द्र गुप्ता
35. राजीव कुमार
36. सुनील गोयल
37. परमोद बंसल
38. ईश्वर दास गोयल
39. राम बिलास जैन
40. विजय कुमार तायल
41. तरुण गर्ग
42. मुकेश कंसल
43. अशोक कुमार
44. दीपक गोयल
45. पवन कुमार सिंघला
46. राधे श्याम गुप्ता
47. अजय गुप्ता
48. प्रशांत गुप्ता
49. परमोद कुमार गोयल
50. अनिल गोयल
51. ईश्वर चंद गुप्ता
52. मुकेश आर्य
53. नितिन तायल
54. सुशील गोयल
55. योगेश बंसल
56. संदीप गुप्ता
57. चंदर गर्ग
58. मनोज गर्ग
59. अजय कुमार जैन
60. अजीत कुमार जैन
61. राहुल जैन (मित्तल)
62. ईश्वर चंद सिंघला
63. शंकर लाल गर्ग
64. मनीष जैन
65. अशोक
66. राधे श्याम गोयल
67. सन्नी गोयल
68. आकाश गुप्ता
69. सुभाष गुप्ता
70. विकास गोयल
71. विजय कुमार गुप्ता
72. सतीश कुमार गोयल
(झंझवाड़ा)
73. दीपक जिंदल
74. रितेश एरन
75. सुभाष चंद
76. राजेन्द्र प्रसाद
77. पवन कुमार मित्तल
78. विनोद कुमार गर्ग
79. अनिल कुमार बिंदल
80. रूपेश जैन
81. मोहित गोयल
82. विजय कुमार गोयल
83. अरुण कुमार आर्य
84. अमित कुमार
85. गौरव गर्ग
86. अनिल बंसल
87. राघव गर्ग
88. गगन जैन
89. अतुल मित्तल
90. सुशील कुमार
91. राधे श्याम गर्ग
92. विनीत जैन
93. आशीष मित्तल
94. विकास कंसल
95. संजीव सिंघला
96. अजय कुमार गुप्ता
97. नरेश कुमार
98. परमोद गर्ग
99. अंकुर सिंघल
100. नरेंद्र बंसल
101. संजय मंगल
102. विपिन गोयल
103. जयपाल गोयल
104. सुमित मित्तल
105. नवीन कुमार जैन

गांव खिड़वाली में जानलेवा हमला कर किसान को सड़क पर फेंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

गांव खिड़वाली में एक व्यक्ति पर खेतों में जानलेवा हमला कर घायल कर दिया गया। सदर पुलिस को दी शिकायत में अकुंश निवासी खिड़वाली ने बताया कि उसके पिता कुलदीप खेत में काम करने के लिए गए थे। लेकिन वह सुबह तक वापिस नहीं आए। इसके बाद उसके चाचा भूपेंद्र उसके पिता को देखने गए तो वह सड़क के पास घायल अवस्था में मिले।

उनके कान और मुंह से खून निकल रहा था। पिता से पूछा तो उन्होंने बताया कि रोशन व पवन निवासी जिंदराण उसे शराब लाने के लिए कह रहे थे। उसने मना किया तो आरोपियों ने उस पर जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। आरोपियों ने उनको गम्भीर चोटें मारी और फरार हो गए। इसके बाद उन्हें घायल अवस्था में पीजीआई भर्ती कराया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रोहतक। मौके पर जांच करते एफएसएल टीम डॉ.सरोज दहिया व पुलिस अधिकारी।

पूर्व मंत्री ने महम के दर्जनों गांवों में पानी भरने से नष्ट फसल का जायजा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

हरियाणा के पूर्व मंत्री व किसान नेता कृष्ण मूर्ति हुड्डा ने महम विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों गांवों का दौरा किया और अधिक बारिश होने से किसानों की नष्ट फसल का जायजा लिया। उन्होंने करीब एक दर्जन गांवों में खेतों में कई-कई फुट पानी भरा हुआ देखा। किसान नेता फरमाणा, बेडुआ, बड़ाली, कई भैणी, सैमन आदि गांवों में किसानों से मिले और उनकी नष्ट फसल को देखा। कृष्ण मूर्ति हुड्डा ने पानी निकासी के लिए सिंचाई विभाग के अधिकारियों से बात की और महम के एसडीएम से भी बात की ताकि किसानों के खेतों से पानी की शीघ्र निकासी हो सके और विशेष गिरदावरी करवाकर किसानों की बारिश से नष्ट हुई फसल का उचित मुआवजा दिलवायागें। सोमवार पूर्व मंत्री सुबह रोहतक के उपायुक्त को मिलकर महम क्षेत्र के किसानों के नुकसान का ब्यौरा देकर किसानों की तुरन्त सहायता उपलब्ध करवाएंगे। कई गांवों की हालत बहुत ज्यादा खराब थी उन्हें तुरन्त सहायता की जरूरत है। बेडवा गांव के सरपंच सुभाष व पूर्व सरपंच राजमल सहारण ने पानी से बर्बाद फसल को दिखाया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार को किसानों की बर्बाद फसल का मुआवजा देना चाहिए।

किर्गिस्तान में सिल्वर मेडल जीतकर लौटे पहलवान अरवनी का स्वागत किया गया

रोहतक। किर्गिस्तान में आयोजित प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीतकर लौटे पहलवान अरवनी का स्वागत किया गया। शहीद भगत सिंह कुश्ती अखाड़ा में सोनीपत के कांग्रेस से पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार व उद्योगपति रविंद्र ढाका मुख्य अतिथि के रूप में भगत सिंह कुश्ती अखाड़े में पहुंचे। उन्होंने अरवनी पहलवान को फूल माला से स्वागत किया और आशीर्वाद दिया। ग्रुप कैप्टन रायसिंह ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस समारोह में सुंडाना गांव के कुछ गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। जिनमें सामाजिक कार्यकर्ता दलेल ढाका, पूर्व प्रिंसिपल फूल सिंह ढाका, नरेश ढाका ,कुश्ती कोच रणबीर ढाका और अर्जुन अवार्डी अशोक गर्ग ,कुश्ती कोच कैप्टन सोमबीर ढाका उपस्थित रहे। शहीद भगत सिंह कुश्ती अखाड़े के प्रधान सुमित कोच ने बताया कि यह प्रतियोगिता 8 से 12 जुलाई तक किर्गिस्तान में आयोजित हुई।

परीक्षा तैयारी 26 व 27 जुलाई को आयोजित परीक्षा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा

सीईटी के अभ्यर्थियों को उपलब्ध होगी पर्याप्त यातायात सुविधा, नोडल अधिकारी नियुक्त

दिव्यांग उम्मीदवारों को उनके परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए भी अलग से नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी) के लिए अभ्यर्थियों को संतोषजनक यातायात सुविधा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कुमार को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारी सचिव आरटीए तथा रोडवेज के जीएम से तालमेल करके अभ्यर्थियों के लिए यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करवाएंगे। 26 व 27 जुलाई को सीईटी की परीक्षाएं आयोजित की जाएगी। इसके लिए विभिन्न जिलों में परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। रोहतक, महम, सांपला, कलानौर तहसील व उप तहसील लाखनमाजरा से बाहर जाने वाले अभ्यर्थियों के लिए पर्याप्त संख्या में बसें उपलब्ध करवाने के लिए योजना तैयार की जाएगी। इसके साथ-साथ अभ्यर्थियों को उनके संबंधित परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए बस स्टैंड, हिसार-भिवानी लिंक रोड, राजीव गांधी चौक व ग्रुप रुपया चौक आदि जैसे स्थानों पर शटल बस व ऑटो रिक्शा की व्यवस्था भी की जाएगी। दिव्यांग उम्मीदवारों को उनके संबंधित जिलों में ही परीक्षा केंद्र आवंटित किए गए हैं। दिव्यांग उम्मीदवारों को उनके परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए भी अलग से नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

ग्राम पंचायत व सरपंचों की भी लेंगे मदद

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह द्वारा जारी आदेश के तहत यह नोडल अधिकारी ग्राम पंचायत के सरपंचों, पंचों, नगर निगम व परिषदों के वार्ड पार्षदों जैसे जनप्रतिनिधियों को उनकी सुविधा उपलब्ध करवाने में शामिल करेंगे। दिव्यांगजनों के लिए नगर निगम रोहतक की संयुक्त आयुक्त नमिता कुमारी, जिला विकास एवं पंचायती अधिकारी राजपाल चहल, नगर पालिका महम के सचिव नवीन नांदल, नगर पालिका कलानौर के सचिव विनय तथा नगर पालिका सांपला के सचिव वीरेंद्र सैनी को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

इन नंबरों से मिलेगी अभ्यर्थियों को मदद

सीईटी के एग्जाम के दौरान अभ्यर्थी को किसी भी तरह की आने जाने में कोई परेशानी आती है तो उसके लिए नोडल अधिकारी समेत अन्य नंबर जारी कर दिए गए है। इन सभी के मोबाइल नंबर क्रमशः 81681-51577, 94167-64446, 94160-22295, 88608-37371 व 99964-44660 हैं। किसी भी तरह की परेशानी होने पर इन नंबर से संपर्क कर समस्या का हल करवाया जा सकता है।

संगठन को और मजबूत बनाने का करें कार्य : ढाका

नवनियुक्त पदाधिकारी करें समर्पण भाव से कार्य : फणीन्द्रनाथ शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

भारतीय जनता पार्टी जिला रोहतक इकाई की नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों की पहली बैठक रविवार भाजपा प्रदेश कार्यालय 'मंगल कमल' में जिलाध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका की अध्यक्षता में संपन्न हुई । उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने प्रदेश संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा को अपना राजनीतिक सफर व पार्टी में पूर्व में रहे अपने दायित्वों का जिक्र करते हुए परिचय दिया । पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा ने कहा संगठन को मजबूत करने के लिए सभी पदाधिकारी अपने अपने क्षेत्रों में समर्पण भाव से कार्य करे ताकि संगठन और पार्टी और अधिक मजबूत हो सके। पार्टी का कार्य करते करते ही हम अपने क्षेत्र में अपनी पहचान और राजनीतिक व्यक्तित्व का निर्माण कर सकते है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि दायित्वान कार्यकर्ताओं का फर्ज बनता है कि वो पार्टी के सभी कार्यक्रमों में समाज के अंतिम व वंचित व्यक्तियों को जोड़ना का कार्य करें।

रोहतक। नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों की बैठक लेते संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा।

आज अजब इत्तेफाक है कि पिता दिवस है और तीन छुट्टियां एक साथ ...कि भीतर अजीब सी कैफियत है। डिग्री को जी भर के देख रही हूं कि आज बाबा होते तो कितने राजी होते कि मेरी बुलेरी ने सब पढ़ लिया है। उन दिनों तो खैर नहीं पता था कि बुलेरी उनके लिए कितना बड़ा अभिमान थी। हां.. यही नाम दिया था उन्होंने मुझे। बहुत छोटी थी तो बुल्ला कहते थे। बाद में दसवीं पास करते-करते बुल्ला से बुलेरी हो गई। आज सोचती हूं कि क्या बाबा को बाबा बुल्ले शाह की फकीरी का पता था?

कहानी

डॉ. मनुहार शर्मा

बाबा की बुलेरी

जरा अलमारी को करीने से करने क्या बैठी कि यादों के दराज में सेंधमारी ही हो गई। अलमारी के दराज में एक से एक पुरानी, नयी चीजें ...कागज-पत्र, माला, गहने ...एक पूरा कबाड़खाना ही कह लो। किसी चीज में कोई तरतीब नहीं... लेकिन चीजों को देखते हुए एक सुकून सा मिल रहा है। जिंदगी इतनी तेजी से दौड़ी कि हांफना भी भूल गई। सुकून तो दूर की कौड़ी... घर गृहस्थी और नौकरी दोनों के बीच तवाजुन किसी सर्कस की नटनी से तो रत्तीभर भी कम नहीं... बस भागते-भागते खाओ, भागते-भागते सब कुछ... इंश्योरेंस की रसीद या कोई भी कागज ...यहां तक कि पीएच.डी की डिग्री भी... कन्वोकेशन के बाद रात को लौटे थे... जी भरके देखा भी नहीं ....कि दराज में रख दी ।

सुबह उठकर भाग गए अपनी-अपनी नौकरी पर। आज अजब इत्तेफाक है कि पिता दिवस है और तीन छुट्टियां एक साथ ...कि भीतर अजीब सी कैफियत है। डिग्री को जीभर के देख रही हूं कि आज बाबा होते तो कितने राजी होते कि मेरी बुलेरी ने सब पढ़ लिया है। उन दिनों तो खैर नहीं पता था कि बुलेरी उनके लिए कितना बड़ा अभिमान थी। हां.. यही नाम दिया था उन्होंने मुझे। बहुत छोटी थी तो बुल्ला कहते थे। बाद में दसवीं पास करते-करते बुल्ला से बुलेरी हो गई। आज सोचती हूं कि क्या बाबा को बाबा बुल्ले शाह की फकीरी का पता था? वह बहुत ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं थे। सो बुल्ले शाह के बारे में तो क्या ही जानते होंगे ,लेकिन वह उर्दू पढ़ना लिखना जानते थे। ...तो हो सकता है बाबा बुल्ले शाह के बारे में जानते हो और उनकी रूबाइयों और अलमस्त फकीरी से प्रभावित होकर मुझे नाम दिया हो बुलेरी। हालांकि उन दिनों जब उनकी देखा-देखी मुझे स्कूल में मेरी सहेलियां बुलेरी बुलाती तो मैं चिढ़ती थी ...कि नाम खराब कर रही हैं। एक बार तो बाबा फीस भरने आए तो हेड मास्टर के दफ्तर में जाकर बोले जी हमारी बुलेरी की फीस भरनी है। मास्टर जी तुरंत समझ गए लेकिन मैंने मां से उनको खूब डांट पड़वाई ...कि बच्ची का नाम लेकर नहीं बोल सकते ? वे ही... ही ...करके खिसियाते रहे। तब मुझे कहां पता था कि मैं उनकी बुलेरी ही हूं। आज कॉलेज और विश्वविद्यालय के दुनिया भर के कार्यक्रमों, बैनर, पोस्टर और निमंत्रण पत्रों पर बड़ी-बड़ी डिग्रियों के साथ मेरा नाम लिखा रहता है। विभाग अध्यक्ष की नेम प्लेट कमरे के बाहर लगी है , लेकिन बुलेरी कौन कहे? बुलेरी के लिए तो जैसे तरस ही गई हूं। मेरा बाबा के साथ एक अलग ही राब्ता रहा। घर में सबसे छोटी थी शायद इसीलिए ...या नहीं जानती क्यों ....उन्हें इतना भरोसा था मुझ पर ....कि कचेहरी से आते तो गली के नुक्कड़ से आवाज लगाते... बुलेरी ....। मैं स्कूल से आकर खाना खा रही होती और यह भी अजब इत्तेफाक कि आधा खा चुकी होती। बीच में उठती... उन्हें पानी देती ...वे थके होते उनके बगल से कागज पत्रों का थैला लेती... और कभी-कभी कैश भी होता... खूब सारे रुपए लेकर ...उनकी लकड़ी की अलमारी में रखती। उन्हें पानी देती फिर खाने बैठती... लेकिन वे चुप कहां बैठते? बुलेरी ...बुलेरी ...पुकारते रहते। बस जल्दी से खाना निबटाती। उन्हें गाय के दूध की छाछ, पुदीना डालकर पीनी होती... हालांकि मम्मी ने, बड़ी दीदी ने कई बार कोशिश की ... बाद में भाभी ने भी कोशिश की... कि मैं खा रही हूं तो वह उन्हें पानी... छाछ दे दें.... लेकिन उनकी रसाई बैठती ही नहीं। वह नुक्स निकालते ...,पानी ज्यादा ठंडा है ...पुदीना कम है छाछ में ....गिलास साफ नहीं है... और मम्मी को छोह आ जाता ...कहती ...यह तो चली जाएगी साल.. दो साल में ...फिर कौन देगा छाछ ? बहु से ही काम चलेगा ...इसलिए अभी से आदत डाल लो। सुनकर वे भावुक को जाते। तुरंत उनकी आंखें नम और नाक पौंछते रहते। अभी तो मेरी बेटी बहुत पढ़ेगी। जितनी भी क्लासें होती हैं... सब पढ़ेगी ...फिर बाद में भी इससे पूछूंगा कि शादी करवाएगी भी या नहीं। आज पीएच.डी की डिग्री को देख रही हूं तो याद आता है कि यदि वे होते तो आज फिर उनकी आंखें भीगती और नाक पौंछकर ,ऊपर देखकर कहते ....मेरी बुलेरी हमारे शहर में सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की हो गई है। एक दिन वे जाते-जाते बोलकर गए... बुल्ला बेटा! ...गाय की बछिया खुली घूम रही है और कपड़े तार पर सूख रहे हैं ...उतार कर रख देना या फिर बछिया को बांध देना। मैंने सुना अच्छे से लेकिन छुट्टी वाले दिन कोई एक काम थोड़े ही होता है ..जहां भी.. जिस भी कमरे में जाओ वहीं कोई ना कोई काम मेरा इंतजार कर रहा होता। भूल गई और आधे घंटे के बाद जब बाहर निकली तो बछिया उनके कुर्ते की लटकती बाजू को बड़े आराम से चबा रही थी। उस दिन खूब अफसोस हुआ कि बाबा को क्या जवाब दूंगी ? उस दिन खाना भी नहीं खाया गया ठीक से। दो बजे के बाद तो बस छिप ही गई ...कि सांस रोक कर सुनने लगी कि कब आएगी आवाज ....बुलेरीईईईई.. ...लेकिन गनीमत कि कोई और शहर के दो आदमी उनके साथ थे ...एक मैनेजर थे ...बैंक के और दूसरे कोई स्कूल अध्यापक थे। जब पानी लेकर गई तो मेरी ही चर्चा थी कि मेरी बेटी इस साल बी.ए. कर देगी। इसको अगले साल किसी बड़े कॉलेज में दाखिला करवाऊंगा। जाने कितनी ही बातें हैं कि क्या-क्या याद करूं। उनके मुंह में दांत बहुत कम बचे थे। ज्यादातर दलिया, खिचड़ी या केला, पपीता खाकर पेट भर लेते थे। हम छुट्टी के दिन बाहर धूप में मूंगफली या चने खाते तो उनका मन करता। मैं चने या मूंगफली को अपने मुंह में आधे चबाकर उनके हाथ पर रख देती और वह बड़े मजे से खा लेते।

बी.ए. का रिजल्ट आया तो जैसे उन्होंने पूरे शहर को सिर पर उठा लिया... क्योंकि उनकी गुलेरी बी.ए. पास जो हो गई थी। विश्वविद्यालय में दाखिला करवाने खुद गए। फीस जमा कर दी। हॉस्टल की भी फीस भर दी। उन दिनों हमारे विभाग की अध्यक्ष एक सीनियर प्रोफेसर थी जो रिटायरमेंट के नजदीक थी। उनसे मिले ...हॉस्टल में खाना कैसा होता है? क्लास कहाँ-कहाँ लगती हैं ? तमाम बातों का जायज़ा लिया और चलने के लिए उठे तो दोनों हाथ जोड़कर ..उन सीनियर प्रोफेसर के सामने अवरुद्ध गले से बोले ....हमारी बुलेरी का ध्यान रखना जी...यह कभी बाहर नहीं रही। वह दृश्य आज भी मेरी आंखों में जब तब साकार हो जाता है कि ...एक पिता... बेटी का पिता ...किसी याचक सा... दीन होता है। क्योंकि वह अपनी बेटी से प्रेम करता है। सीनियर प्रोफेसर उनकी सरलता को देखकर स्वयं भी रोने लगी और रोते-रोते कहा ...आज से चालीस साल पहले... मेरे बाबा भी मुझे... ऐसे ही... किसी प्रोफेसर के पास छोड़कर गए थे। तब वे भी इतने ही भावुक और चिंतित थे। आप फिक्र ना करें। यह मेरी भी बेटी है और तब के बाद ...उन मैडम ने मुझे बुलेरी ही कहा।

एम.ए. करते ही मुझे शिक्षा विभाग में नौकरी मिल गई तो वे खूब प्रसन्न हुए। हमारी ही लिस्ट में निखिल को भी जॉइनिंग मिली थी। मैंने इसी साल पत्राचार से एम.फिल. में प्रवेश लिया और साल भर में एम.फिल पूरी की। सुनकर वे खूब खुश हुए और कहा ...बेटा! तू सारी क्लासें पूरी कर दे। कोई क्लास मत छोड़ना। तू हमारे परिवार की सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की है। उधर निखिल की पीएच.डी पूरी हुई लेकिन सालभर बाद मुझे मैटरनिटी लीव लेनी पड़ी और पहली डिलीवरी के बाद मैं आराध्या को लेकर घर गई तो वे काफी भावुक हुए। कचेहरी जाना अब छोड़ दिया था। पेड़ -पौधों की साज- संभाल कर लेते और ज्यादा समय घर पर ही रहते। हॉस्टल में सर्दियों की शुरुआत में ही गाजरपाक का लोहे का पीपा, लेकर पहुंच गए कि मेरी बेटी खाएगी। हालांकि पीपा व गाजरपाक का प्रयोग इतना सफल हुआ था कि बाकी लड़कियां बाद में कई दिनों तक पूछती रही थी कि तेरा पीपा खत्म हो गया या पापा जी फिर कब आएंगे?

मैंने सुना अच्छे से लेकिन छुट्टी वाले दिन कोई एक काम थोड़े ही होता है ..जहां भी.. जिस भी कमरे में जाओ, वहीं कोई ना कोई काम मेरा इंतजार कर रहा होता। भूल गई और आधे घंटे के बाद जब बाहर निकली तो बछिया उनके कुर्ते की लटकती बाजू को बड़े आराम से चबा रही थी। उस दिन खूब अफसोस हुआ कि बाबा को क्या जवाब दूंगी? उस दिन खाना भी नहीं खाया गया ठीक से। दो बजे के बाद तो बस छिप ही गई ...कि सांस रोक कर सुनने लगी कि कब आएगी आवाज ....बुलेरीईईईई..

उनकी उम्र काफी हो गई थी लेकिन समय पर नहाना-धोना, घूमना-फिरना, डायरी लिखना... अपने ज्यादातर काम अपने आप करना उनका शगल था। एक रात वे खाना खाकर आराम से सोए। रात को बिजली नहीं थी। वे शायद पानी पीने उठे होंगे। वे उठे तो अंधेरे में सामने रखी कुर्सी में उलझ कर गिर पड़े। पैर में फ्रेक्चर हुआ तथा रीढ़ की कोई नस ब्लॉक हो गई। तीन-चार दिन बाद ही पूरा शरीर सुन्न हो गया। वे बस देखते रहते ...ना बोल पाते ...ना हिल डुल पाते... डॉक्टर ने खूब कोशिश की ...कहा ऑपरेशन होगा ठीक हो जाएंगे। मुझे याद है आज भी ...वे ऑपरेशन के लिए दिल्ली जा रहे थे.. तो गाड़ी मेरे कॉलेज की तरफ से ही निकली गई। चपरासी ने बताया तो मैं क्लास में थी... जल्दी से बाहर भागी तो उनकी कार गेट के आगे ही दूसरी तरफ खड़ी थी। वे पिछली सीट पर लेटे थे। खूब कमजोर हो गए थे । बोल नहीं पा रहे थे। आंखों से आंसू बह रहे थे। मैं उनसे लिपटकर स्वयं को रोक नहीं पायी... सारे बांध तोड़कर ...खूब तबीयत से रोयी...फिर अचानक सोचा यह क्या कर रही हूं ? इससे तो उनको तकलीफ ही दे रही हूं। कहा ...बाबा! डॉक्टर से बात हुई है ...ठीक हो जाओगे... चिंता नहीं करनी है। उनका बायां हाथ बार-बार हिल रहा था ...जैसे उठाकर कुछ कहने की कोशिश में हों। भाई और ड्राइवर पानी-वानी लेने गए थे तो मैंने देखा हाथ में एक कागज का पुर्जा दबा है। पुर्जा हाथ से निकाल कर पढ़ा तो लिखा था.... तू जमीन जायदाद और रुपये पैसे में चौथे नंबर की... बराबर की हकदार है ...तेरी मर्जी के बिना तेरा हक कोई नहीं ले सकता... बिना झिझक मांग लेना। सबसे बड़ी क्लास पास करना। पढ़ती रहना। दुखी मत होना। अब शायद ही लौट कर आऊंगा। आखिरी पंक्ति पढ़कर रुका नहीं गया ...उनकी छाती पर गिरकर... खूब रोई। पीएच.डी की डिग्री वाले पॉलिथीन में ही वह पुर्जा भी रखा है... पर मैला हो गया है ...लेकिन अक्षर ज्यों के त्यों हैं। बाद में पता चला था कि उन दिनों बैंक मैनेजर और वकील के पास जाकर अपनी सारी संपत्ति को दोनों भाइयों और हम दोनों बहनों में बांट आए हैं। मैनेजर उनके दोस्त भी थे। मेरे लिए यह पुर्जा उनसे ही लिखवाया था। बाबा आज इस दुनिया में नहीं है। उनकी बुलेरी विश्वविद्यालय में सीनियर प्रोफेसर है। उसका नाम है। शोहरत है। करीब दस दिन बाद पता चला था कि ऑपरेशन सफल नहीं हुआ। वे नहीं रहे। हमारे यहां रिवाज है कि बाप के अंतिम संस्कार में बेटी शरीक नहीं हो सकती। क्यों नहीं हो सकती...? यह मैं नहीं जानती... लेकिन अगले ही पल सोचती हूं कि क्या हमारे यहां बाप की जायदाद में से बेटी को हक बराबर का मिलता है नहीं ?... लेकिन मुझे तो मिला है ...याद करके वह पुर्जा मेरी आंखों के सामने घूम गया। निखिल गाड़ी निकाल रहा है। उदास मन से मैंने तुरंत कहा, निखिल मैं भी चल रही हूं अंतिम दर्शनों के लिए। घर के पीछे ही खेत में उनकी चिता बनाई गई है। हमारा पूरा परिवार..शहर के मौजिज लोग ...उनकी चिता को घेर कर खड़े हैं। वहां महिला कोई नहीं है। मैं और निखिल दोनों धीरे-धीरे ...भारी कदमों से घर के मुख्य द्वार से पिता की चिता की तरफ बढ़ रहे हैं ...मुख्य द्वार से निकलते हुए उसी गैलरी को पार कर रही हूं ...जहां से रात को तीन बजे बाबा ने निखिल के साथ विदा किया था। बाबा फूट-फूट कर रोए थे उस दिन और हमारा कुत्ता झबरू ने मेरा रास्ता रोक लिया था कि नहीं जाने दूंगा। हमारे घर की औरतों ने तो वह गीत भी शुरू कर दिया था... जिसे सुनकर दुनिया का कोई भी बाप बिना रोए रह ही नहीं सकता कि... 'मेरी गुड़िया भुल्ली हो ...बाबुल तेरे आळे म्हं... स्मृति में एक घटना किसी चलचित्र की तरह घूम रही है ...सामने ही बाबा की चिता है। चाचा- ताया ...परिवार के बुजुर्ग विस्मय से देख रहे हैं। मैनेजर अंकल ने सब को रोकते हुए ...मुझे अंक में भर लिया है और सफेद चादर में लिप्त.. चिता के पास ले गए हैं.. उन्होंने धीरे से मुंह से कपड़ा हटा दिया है... बाबा शांत लेटे हैं... जैसे सो रहे हैं। लगता है कि वह अभी कहेंगे बुलेरी... खूब पढ़ना ...सब क्लासें पास कर लेना ...तू हमारे परिवार की सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की है। सोचकर मैंने अपनी पीएचडी की डिग्री को आंखों से लगा लिया है और मन में ही अपने बाबा से आशीर्वाद लिया है..।

कविता | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

वीरों का गौरव गान

ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई , आपस में सब भाई भाई
भगतसिंह को फांसी लाई, हुआ आजादी ऐलान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

तुम नमन करो मर्दानों को, उन आजादी के दीवानों को
अमर शहीद बलिदानों को, यहां फिर भेजो भगवान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

करी पर्वत कैसी आड़ तुम्हे, अंग्रेज दिये थे काढ़ तुम्हें
ये भूमि करती लाड तुम्हें, और जयहिंद करे जहान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

जब तक चांद और तारा है, रोशन नाम तुम्हारा है
कहे महेंद्र सिंह प्यारा है, हम सब को हिन्दुस्तान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

कविता | पंकजोम प्रेम

यार पुराना छोड़ दिया

उसने भी रिश्ता दिल से निभाना छोड़ दिया है
सो मैंने भी वो यार पुराना छोड़ दिया है

अब मैं भी राहों में उस से हंस कर मिलता हूं
और उसने भी नज़रों को बचाना छोड़ दिया है

अब अपना दुःख किसी आगे ज़ाहिर नहीं करता
अब मैंने अपना तमाशा बनाना छोड़ दिया है

देख के मेरा फूलों का यूं बढ़ता कारोबार
दुश्मनों ने भी हथियार बनाना छोड़ दिया है

क्यूँ रुसवा बैठी है घर पर इक इक पनिहारी
क्यूँ प्यासों ने पनघट पे आना छोड़ दिया है

तुम भी मत किया करो मुझ से यूं घुमा के बातें
मैंने भी तो ये खेल दिखाना छोड़ दिया है

दोहे | नरेश शांडिल्य

अध्यात्म

उतना पाया पार मैं, जितना पाया डूब।
ख़ूब जिया मैं ज़िन्दगी, पिया ज़हर जब ख़ूब।।

जो कहता मैं जानता, वो निकला अनजान।
जो कहता अनजान हूँ, वही सका कुछ जान।।

खुद को रोता देखकर, सखी हँसा मैं ख़ूब।
ख़ुद ही ख़ुद मैं तर गया, ख़ुद ही ख़ुद में डूब।।

खुद से गहरा औ' बड़ा, लगा न और सवाल।
टाले लाख वबाल पर, ख़ुद को सका न टाल।।

ख़ुद में ही जब है ख़ुदा, यहां-वहां क्यों जाय।
अपनी पत्तल छोड़कर, तू जूठन क्यों खाय।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हास्य-व्यंग्य से हरियाणवी जीवन, संस्कृति और सामाजिक मुद्दों पर दी समाज को नई दिशा देने वाले वरिष्ठ रचनाकार एवं कवि ओम प्रकाश चौहान का आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौतियों को लेकर मानना है कि पिछले कुछ वर्षों से मानवीय जीवन मूल्यों में बदलाव हुए हैं और गिरावट भी आई है, इसलिए इस बदलते परिवेश में साहित्यिक साधना या सुरुचिपूर्ण जीवनशैली प्रभावित हुई है।

साक्षात्कार | **ओ.पी. पाल**

साहित्य संवर्धन में नैतिकता और आध्यात्म भी अहम: ओपी चौहान

साहित्य जगत में लेखक एवं साहित्यकार विभिन्न विधाओं में सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर साहित्य संवर्धन करके समाज को सकारात्मक संदेश देते आ रहे हैं। ऐसे ही हिंदी एवं हरियाणवी भाषा के मूर्धन्य विद्वान एवं प्रबुद्ध साहित्यकार ओम प्रकाश चौहान ने विभिन्न विधाओं में साहित्य सृजन करते हुए समाज में बाल मनुहार से बुजुर्गों तक के मन को छूते हुए हरियाणा के ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय-साहित्यिक-क्षितिज को अपने साहित्यिक सेवा से आलोकित किया है।

गद्य और पद्य दोनों प्रारूपों मे उन्होंने काव्य के विविध रूपों यथा-यात्रा-वृत्तान्त, जीवनी, हास्य-व्यंग्य, पुस्तक-समीक्षा, तथा रिपोर्ताज आदि साहित्यिक विधाओं पर लेखन में एक हास्य कलाकार और बहुमुखी साहित्यिक प्रतिभा के रूप में पहचान बनाई है। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान ओ.पी. चौहान ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कई ऐसे अनुछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें सामाजिक सरोकारों के मुद्दों के साथ नैतिकता और आध्यात्मिकता भी साहित्य संवर्धन में महत्वपूर्ण है, ताकि भारतीय संस्कृति को जीवंत रखा जा सके। हास्य कवि ओम प्रकाश चौहान का जन्म 6 मार्च, 1954 को हिसार जिले के गांव मोठ करनैल में जुगलाल चौहान और मिसरी देवी के घर में हुआ था। आर्थिक दृष्टि से निर्धन होते हुए भी उनका पारिवारिक परिवेश सुसंस्कारी एवं संवेदनशील रहा। उनके माता-पिता धार्मिक प्रवृत्ति के सद्गृहस्थ थे, इसी का ही परिणाम है कि उदात्त मानवीय गुण आए, जो उन्हें साहित्य पढ़ने और रचने की अभिरुचि की ओर अग्रसर करते चले गए। दूसरी तरफ उनके पिता महाकवि सूरदास, संत कबीर दास, संत शिरोमणि रविदास आदि की वाणियां सुनते सुनाते थे, तो इसके प्रभाव के कारण बचपन में ही उन्हें लेखन करने की प्रेरणा मिलने लगी।

राजपूत लखेरा समाज से संबंध रखने वाले ओम प्रकाश चौहान का बचपन भले ही निर्धनता भरे माहौल में गुजरा हो, लेकिन उनके पिता का अपने परिवार के प्रति समर्पण सदैव सुखद रहा है। जुलाना कस्बे में पले-बढ़े-पढ़े और प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय जुलाना मंडी जींद में हुई। उन्होंने दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद प्रभाकर और ओ.टी. की परीक्षा पास की। उसके बाद वह जींद में जुलाना के संस्कृत महाविद्यालय में प्रभाकर की शिक्षा देने लगे। सनातन धर्म उच्च विद्यालय जींद में हिंदी अध्यापक के पद पर करीब 12 वर्ष तक कार्य किया। इसके बाद उन्होंने पारिवारिक परिस्थितियों के कारण सरकारी सेवा में आने का निर्णय लिया और वह नवम्बर 1991 में सरकारी सेवा में आ गये। उन्होंने आरंभ में अनेक हरियाणवी भजन लिखे, जो कीर्तन के रूप में स्थानीय लोगों द्वारा गाए जाने लगे। व्याकरण सम्मत परिमार्जित भाषा के अध्ययन के कारण इन्हें हिन्दी लेखन अधिक रुचिकर लगने लगा और उन्होंने हिन्दी में अपनी प्रथम कहानी 'दूसरा पत्र' लिखी, जिसे पाठकों ने खूब सराहा। बकौल ओपी चौहान, उन्होंने अपने साहित्य सृजन में गद्य और पद्य दोनों प्रारूप को समान स्थान दिया। गद्य विधा में उन्होंने निबंध, लघुकथाएं, कहानियां, यात्रा कृतांत और विनोद वार्त्ताएँ लिखीं, तो वहीं पद्य में कविता, गजल, दोहे, रागनियां और भजन लिखे हैं। साल 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद उनके भीतर अलग तरह की प्रेरणा समा गई थी। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हिन्दी में देशभक्तिपूर्ण रचनाएं लिखना आरम्भ किया। उनकी साहित्यिक साधना में आत्मानंद की अनुभूति, कर्त्तव्यपरायणता का जज्बा, राष्ट्रीय चेतना और पूर्वजों द्वारा धर्मपरायणता की सिद्धि मूल में रही हैं। इसलिए वह निराशा के पलों में भी प्रफुल्लित रहते हुए अपनी कविताओं में रस, छंद, अलंकार, शब्दशक्ति, शब्दरीति, काव्यगुण आदि को सदैव महत्व देते रहे हैं। हरियाणा बाल साहित्य को ओपी चौहान का योगदान विषय पर कुरुक्षेत्र विवि में एमफिल की जा चुकी है।

उनका कहना है कि स्वाध्याय मानव को संस्कृति और संस्कारों से जोड़ता है समुचित दिशा देता है अतः युवाओं को स्वाध्याय अपनाना चाहिए। समाज और संस्कृति को जीवंत रखने के लिए साहित्यकारों व लेखकों को भी इसी आधार पर श्रेष्ठ साहित्य सृजन करना आवश्यक है, जो मानव जीवन का मूल उद्देश्य भी है।

प्रकाशित पुस्तकें

ओपी चौहान अभी तक तीन दर्जन पुस्तकें लिख चुके हैं, जिनमें प्रकाशित 15 पुस्तकों में हिंदी भाषा की कृतियों में कविता संग्रह-प्रथम प्रपात, अमृत प्याला जिन्दगी, प्रबन्ध काव्य-जिन्दगी, विनोद वार्ताएं-श्रीमती ने पत्र लिखा, बाल साहित्य में बाल गीत माला गर्वित, अर्पिता, हर्ष बाल गीत के अलावा नानी की कहानियां और बाल निबन्ध-वाटिका सुर्खियों में हैं। उनके हरियाणवी भाषा की रचनाओं में वीराख्यान प्रबन्ध काव्य-मेवाड़ का शेरः महाराणा प्रताप, भजन संग्रह-आराधना के गीत और गजल संग्रह-ऐसे मन बहलाया जाए पाठकों के बीच हैं।

ओम प्रकाश चौहान

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा साहित्य अभिनंदन योजना 2022 के पं. माधव प्रसाद मिश्र सम्मान से अलंकृत वरिष्ठ साहित्यकार ओम प्रकाश चौहान को अब तक अनेक पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्हें साहित्य सारथी सम्मान, इन्दिरा-स्वरुप स्मृति साहित्य श्री सम्मान, उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान के अलावा शैक्षणिक, समाजिक एवं सांस्कृति क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अनेक पुरस्कार व सम्मान के अलावा प्रशस्ति पत्र, प्रशंसा पत्र और अन्य प्रमाण पत्रों से भी नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :ओम प्रकाश चौहान
जन्मतिथि : 6 मार्च, 1954
जन्म स्थान : मोठ करनैल, हिसार (हरियाणा)
शिक्षा : एम.ए.(हिंदी), एम.फिल., प्रभाकर, संगीत भूषण
संप्रति : सेवानित्त शिक्षक, कवि, रचनाकार, साहित्यकार, समाजसेवी

द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल

पुस्तक :द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज़ रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल
लेखक : डॉ. अनुज नरवाल 'रोहतकी'
मूल्य : 1895 रुपये
प्रकाशक : एसएसडीएन पब्लिशर्स, नई दिल्ली

पुस्तक समीक्षा | **शशि कांत चौहान**

द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज़ रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल" डॉ. अनुज नरवाल 'रोहतकी' द्वारा लिखित एक व्यापक और समृद्ध पुस्तक है, जो पत्रकारिता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह पुस्तक पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों से लेकर डिजिटल युग की नवीनतम तकनीकों तक के विस्तृत पहलुओं को समेटती है।

लगभग दो दशकों के अनुभव के साथ, डॉ. नरवाल ने इस पुस्तक में पत्रकारिता के परंपरागत और आधुनिक दोनों स्वरूपों को संतुलित ढंग से प्रस्तुत किया है। यह पुस्तक न केवल पत्रकारिता के छात्रों, बल्कि शोधकर्ताओं, शिक्षकों और पेशेवर पत्रकारों के लिए भी एक अमूल्य संसाधन है। पुस्तक को दस अध्यायों में विभाजित किया गया है, जो पत्रकारिता के विभिन्न आयामों को व्यवस्थित रूप से कवर करते हैं। प्रत्येक अध्याय में सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग का संतुलन बनाया गया है। पुस्तक की सामग्री में निम्नलिखित प्रमुख विषय शामिल हैं। इस अध्याय में समाचार की अवधारणा, संरचना, और मूल्यों के साथ-साथ प्रिंट, रेडियो, टेलीविजन, और डिजिटल मीडिया के लिए लेखन और संपादन तकनीकों को समझाया गया है। यह पत्रकारिता के नैतिकता और समकालीन मुद्दों पर भी प्रकाश डालता है। समाचार स्त्रोतों, सूचना संग्रह के उपकरणों, और स्त्रोतों के विकास की तकनीकों पर विस्तृत चर्चा की गई है। 5 डब्ल्यू और 1एच की संरचना और इनवर्टेड पिरामिड पैटर्न जैसे लेखन ढांचों को समझाया गया है।अपराध, अदालत, शिक्षा, खेल, मौसम, और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने की तकनीकों को रेखांकित किया गया है। साक्षात्कार, प्रेस कॉन्फ्रेंस, और तत्काल कवरेज जैसे विषयों पर गहन जानकारी दी गई है। सत्य, निष्पक्षता, और विविधता जैसे पत्रकारीय मूल्यों के साथ-साथ लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका पर चर्चा की गई है। मीडिया साक्षरता और कन्वर्जेंस जैसे आधुनिक विषयों को शामिल किया गया है। येलो जर्नलिज्म, खोजी पत्रकारिता, और डेटा पत्रकारिता जैसे क्षेत्रों की गहन पड़ताल की गई है। डॉ. नरवाल ने इस पुस्तक के माध्यम से नई पीढ़ी के पत्रकारों को संवेदनशील, सजग, और साहसी बनने के लिए प्रेरित किया है। यह पुस्तक हर उस व्यक्ति के लिए अनिवार्य है, जो पत्रकारिता को समझना और अपनाना चाहता है। लेखक इस पुस्तक के लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

कर्मचारियों के सर्विस रूल जल्द जारी करे सरकार

रोहतक। अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित भारतीय मजदूर संघ द्वारा 21 जुलाई को लिए गए प्रदर्शन के फैसले को देखते हुए सरकार और विभाग के अधिकारी हरकत में आए। उन्होंने संगठन को वार्ता के लिए बुलाया। पिछले तीन दिनों में संगठन की दो बार सीएम हाउस पर मुख्यमंत्री एवं उनके ओएसडी से संगठन की मांगों को लेकर चर्चा हुई। जिसमें मुख्य मांग सर्विस रूल एवं थर्मल के समझौते को लागू करने पर गहन चर्चा हुई। इसके बाद सरकार के आदेशों पर विद्युत निगम की दो कंपनियां यूएचबीवीएन एवं एचपीजीसीएल से बैठक हुई। इन बैठकों के सिलसिले को देखते हुए संगठन ने 21 जुलाई के कार्यक्रम को स्थगित कर दिया है और सरकार को 1 अगस्त तक का समय देते हुए आगामी चेतावनी दी कि अगर सरकार ने 1 अगस्त तक सर्विस रूल एवं थर्मल के समझौते को लागू नहीं किया तो संगठन आगामी निर्णय लेकर सरकार के खिलाफ आंदोलन करेगा।

सड़कों पर गूंजे शिव के उद्घोष, फिजियोथैरेपी देकर उतारी भक्तों की थकान

हेल्थ शिविर में कांवड़ यात्रियों को दिया गया निःशुल्क प्राथमिक उपचार

कावड़ यात्रियों के लिए जसिया बाईपास पर निशुल्क प्राथमिक उपचार कैंप का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मां दानो देवी धर्मार्थ ट्रस्ट की तरफ से संचालित विमल प्रसाद जैन एवं सुशीला देवी जैन फिजियोथैरेपी सेंटर की तरफ से कावड़ यात्रियों के लिए जसिया बाईपास पर निशुल्क प्राथमिक उपचार कैंप का आयोजन किया गया। साथ ही जो कावड़ यात्री लंबे सफर के बाद थकान महसूस कर रहे थे, उन्हें फिजियोथेरेपी देकर राहत पहुंचाई गई। जिससे उन्हें आराम महसूस हुआ। संस्था के संचालक तस्वीर हुड्डा ने बताया कि इस निःशुल्क प्राथमिक उपचार कैंप का आयोजन समाजसेवी राजेश जैन की तरफ से किया गया था। क्योंकि उनकी इच्छा थी कि काफी सारे लोग पैदल मार्ग से कावड़ लेकर जाते हैं। ऐसे में उन्हें रास्ते में प्राथमिक उपचार या किसी प्रकार की फिजियोथैरेपी की जरूरत होती है, तो उसे फ्री में उपलब्ध करवाया जाए। जिसे देखते हुए पिछले कई दिनों से जसिया बाईपास पर इस निःशुल्क प्राथमिक उपचार कैंप का आयोजन किया जा रहा है। संस्था के कोषाध्यक्ष नवनीत हुड्डा ने बताया कि इस कैंप के अंदर काफी सारे कावड़ियों ने उपचार करवाया। क्योंकि लंबे सफर के बाद उनके शरीर में काफी ज्यादा थकान हो गई थी। साथ ही काफी सारे कावड़ियों को बुखार और सिर दर्द की समस्या भी हो रही थी। जिन्हें मौके पर ही दवाई दी गई। साथ ही जिन्हें उपचार की जरूरत थी उनका उपचार किया गया। संस्था के संचालक तस्वीर हुड्डा ने बताया कि इस निःशुल्क प्राथमिक उपचार कैंप का आयोजन समाजसेवी राजेश जैन की तरफ से किया गया था।

रोहतक। भोले की प्रतिमा को लेकर भिवानी जाते कावड़िए।

रोहतक। शिविर में कावड़ियों की फिजियोथैरेपी करते चिकित्सक।

कैंप में वितरित की गई दवाइयां

डॉक्टर ज्योति ने बताया कि इस कैंप के अंदर ज्यादातर कावड़िए को पैरों में दर्द, शरीर में थकान और छोटी मोटी चोट लगने की समस्या देखने को मिली। ऐसे में कुछ लोगों को खाने की दवाई दी गई। साथ ही जिन लोगों को पट्टी की जरूरत थी, उनकी पट्टी की गई। जिससे उन्हें आगे के सफर में किसी भी तरह की समस्या ना हो। इस तरह से रास्ते में इलाज पाकर सभी कावड़िए काफी ज्यादा खुश हुए और राजेश जैन का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि भोले बाबा राजेश जैन को खूब तरक्की दें, जिससे वो लोगों की और ज्यादा सेवा कर सकें। इस मौके पर पेट्रोल पंप संचालक जसवन्त, हर्ष हुड्डा, शुभम हुड्डा, काला, प्रियांशु और अन्य कावड़ लेकर आने वाले लोग मौजूद रहे।

रोहतक। शिविर में प्रसाद ग्रहण करते कांवड़िये। फोटो : हरिभूमि

श्री बालाजी डोभ धाम पर सेवा शिविर में कांवड़ियों का लगा जमावड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

16वें कांवड सेवा शिविर श्री बालाजी धाम डोभ मन्दिर पर आयोजित किया जा रहा है। सेवा मण्डल के संस्थापक प्रधान पुरूषोत्तम दास बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रावण मास में आने वाली शिवरात्रि से पहले कांवड़ शिविर लगता है, जो 15 जुलाई से 23 जुलाई तक चलेगा। हरिद्वार से पैदल गंगा जल लेकर आने वाले कांवडियों के लिए मन्दिर में शिविर लगाकर उनके खाने-पीने और विश्राम के साथ-साथ निशुल्क डाक्टरों की टीम की उत्तम व्यवस्था की गई है। सावन माह में शिव भक्तों में कांवड़ लाने की इच्छा जाग उठती है। काफी संख्या में कांवडिया दिन-प्रतिदिन श्री बालाजी धाम डोभ मन्दिर पर पहुंच कर सुविधाओं का आनन्द ले रहे हैं। शिविर में मण्डल के सदस्यों की देख-रेख में सभी भक्तों के सहयोग से अच्छे ढंग से चल रहा है। कांवड़ियों को आवश्यक सारी सुविधा देने का प्रयास किया जा रहा है

शिविर मुख्य यजमान के तौर पर संचित ऐरन सिंहपुरिया सपरिवार, राम अवतार सिंगला के सपुत्र सौरव सिंगला, कुलदीप सिंह अहलावत, अनिल दलाल, ओम प्रकाश सैनी ने शिरकत की । इस मौके पर गोविन्द राम सिंगल, महावीर बंसल, रमेश गुप्ता, महाबीर गर्ग सोनीपत, राजपाल गर्ग सोनीपत, सतीश अग्रवाल, विनोद गुप्ता,मन मोहन धारीवाल , डॉ संजय राठौर, डॉ अशोक रोहिल्ला, डॉ योगेश वत्स,पंडित नरेश कौशिक,रवि चिटकारा,आजाद सिंह डोभ, बिट्टू दुआ व भक्तजन मौजूद रहे।

गांव कारौर में पौधरोपण अभियान के तहत 250 छायादार और फलदार पौधे लगाए

रोहतक। गांव कारौर में पौधरोपण अभियान के तहत 250 छायादार और फलदार पौधे लगाए गए। सरपंच महिपाल ने पर्यावरण सरक्षण और निपुण फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट टीम का इस कार्य के लिए स्वागत व अभिनंदन किया। पौधरोपण अभियान में करौर के ग्रामीणों ने भी श्रमदान किया। इस दौरान सरपंच महिपाल ने अधिक से अधिक से अधिक पौधे लगाने और पोधो को ना काटने की अपील ग्रामीणों से की। उन्होंने बताया कि पौधे लगाने से हमें स्वच्छ वातावरण और फल प्राप्त होते हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इस अवसर पर संजय मालिक, जितेंदर दक्ष संस्थापक सदस्य निपुण फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट , परवीन कुमार , बल्लू , रूद्र आदि उपस्थित रहे।

मिसेज रोहतक-2025 के फैशन शो का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एलपीएस बोसार्ड द्वारा मिसेस रोहतक 2025 फैशन शो का सोनीपत रोड स्थित निजी होटल में आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया इस फैशन शो में 97 प्रतिभागिओ ने भाग लिया। जिन्हे 2 कैटेगरी में विभाजित किया गया था।

पहली कैटेगरी सुपर वुमैन और दूसरी कैटेगरी कैरिस्मैटिक में विभाजित किया गया था। हर एक प्रतिभागी को एलपीएस बोसार्ड की तरफ से गिफ्ट दिया गया और जीतने वाले प्रतिभागिओ को गोल्ड और सिल्वर कॉइन्स और क्राउन देकर सम्मानित किया गया। राजीव जैन ने बताया इस कार्यक्रम का उद्देशय महिलाओं को घर की चार दीवारी से बाहर निकालकर उनकी प्रतिभा को निखारना था। निर्णायक मंडल की भूमिका रश्मि गोसाईं और डॉक्टर डॉली सतीजा (मिसेस हरियाणा) ने निभाई। इस समारोह में महत्वपूर्ण अतिथियों में राजेश जैन, संध्या जैन, समृद्धी जैन, वर्षा पठानिया, प्रीती बंसल, श्वेता चुघ, विकास नांदल, कमलेश दुआ मौजूद रहे। मंच का संचालन पल्लवी तुषार हांडा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान राजीव जैन, सन्नी निझावन, योगेश कुमार मौजूद रहे।

रोहतक। मिसेस रोहतक-2025 के फैशन शो में भाग लेती फैशन डिजाइनर। फोटो : हरिभूमि

विजेता प्रतिभागियों के नाम

केटेगरी-1	केटेगरी-2
1. इशिता सैनी	1. ज्योति बत्रा
2. अलका राघव	2. संतोष शर्मा
3. साक्षी	3. रेशू

रोहतक। प्रथम सैनी प्रतिभा सम्मान समारोह में मौजूद पदाधिकारी व सदस्य।

प्रथम सैनी प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सैनी धर्मशाला में प्रथम सैनी प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन सैनी टीम महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय एवं अंतर्राष्ट्रीय सैनी समाज के संयुक्त प्रयासों से सम्पन्न हुआ।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींदआरपी सैनी एवं सीमा कुशवाहा (वरिष्ठ अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट, दिल्ली) ने उपस्थिति दर्ज कराकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. सुनीता सैनी (प्रोफेसर, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय), कोमल सैनी (मेयर, पानीपत), डॉ. अनुराधा सैनी (चेयरपर्सन, जींद), राजेश सैनी (प्रदेश अध्यक्ष, ओबीसी - जननायक जनता पार्टी), इंदल मौर्य (लीलावती ग्रुप, दिल्ली), आशा लत (पार्षद, वार्ड नं. 2), अंजू सैनी (पार्षद, वार्ड नं. 8) शामिल रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने समाज के समसामयिक व गंभीर विषयों पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए और विशेषकर युवाओं को शिक्षा, नेतृत्व व सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। पूर्व सह सचिव सुनील सैनी, मोनू सैनी, कमल सैनी, संजीव सैनी, यश मौर्य , नरेश सैनी, भरमजीत सैनी ने विशेष योगदान दिया। मंच का संचालन डॉ अरुण अंचल ने किया। यह समारोह समाज में प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने, जागरूकता बढ़ाने और सैनी समुदाय को एकजुट करने की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल सिद्ध हुआ। मौर्य संघ, सैनी पंचायत झज्जर रोड , लीला कलामंच , सैनी एजुकेशन की कार्यकारिणी ने कार्यक्रम में भाग लिया।

भारतीय प्रबंध संस्थान ने वार्षिक एचआर समिट में एचआर की रणनीतिक भूमिका को बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) ने सफलतापूर्वक अपना वार्षिक एचआर समिट 2025 आयोजित किया, जिसका विषय था "नए क्षितिजों की ओरः बदलते वैश्विक परिदृश्य में एचआर की रणनीतिक भूमिका।" इस आयोजन में जीई वरनोवा इंडिया, विप्रो, पेटीएम, टॉटा टेक्नोलॉजी, ओएनजीसी विदेश और टाईटन जैसी अग्रणी कंपनियों से वरिष्ठ एचआर पेशेवर शामिल हुए। 300 से ज्यादा छात्रों और शिक्षकों की मौजूदगी में यह समिट एक ऐसा मंच बना जहां एचआर की बदलती भूमिका और वैश्विक बदलावों के अनुरूप उसकी ज़िम्मेदारियों पर गहराई से चर्चा हुई।

समिट की शुरुआत आईआईएम रोहतक के निदेशक प्रोफेसर धीरज शर्मा के संबोधन से हुई। उन्होंने एक ऐसे समय में एचआर की निरंतर अनुकूलनशीलता की आवश्यकता को रेखांकित किया, जहां अस्थिरता और परिवर्तन सामान्य हो चुके हैं। उन्होंने समावेशी नीतियों, कार्यस्थल की बदलती भूमिकाओं, और तकनीकी प्रगति व मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे सरकारी नीतियों ने भारत को एक संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था से अवसरों और समृद्धि की ओर अग्रसर होने में मदद की है। इस प्रगति को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि हम अब अभाव से परिभाषित राष्ट्र नहीं हैं। आज सवाल यह है कि ऐसे समय में, जब लोगों के पास आराम और कई विकल्प हैं, हम उन्हें कैसे प्रेरित करें और सही दिशा में बनाए रखें, जबकि यह समय नई चुनौतियाँ भी लेकर आ रहा है। यह दृष्टिकोण दिनभर की चर्चाओं के लिए स्वर निर्धारित करता है, और प्रतिभागियों को नेतृत्व और एचआर की बदलती अपेक्षाओं पर विचार करने के लिए प्रेरित करता है। पहला सत्र "नेतृत्व की पुनर्परिभाषाः जटिलता, परिवर्तन और सहयोग के साथ दिशा" पर केंद्रित था, जिसमें यह विश्लेषण किया गया कि पारंपरिक पदानुक्रम से हटकर नेतृत्व अब किस प्रकार अधिक चुस्त और भावनात्मक रूप से बुद्धिमान हो गया है।

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाल।

बदहाल कानून व्यवस्था को लेकर जल्द राज्यपाल से मिलेंगे

रोहतक। जननायक जनता पार्टी ने संगठन मजबूती पर फोकस करते हुए संगठन नवनिर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाई है। रविवार को जेजेपी के सभी सैलों के प्रदेश अध्यक्षों की एवं प्रदेश के सभी सेलों के प्रभारियों की बैठक हुई। इस बैठक में पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, वरिष्ठ नेता डॉ. केसी बांगड़, राजेंद्र लिताानी, जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा, जेजेपी युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेताओं ने प्रदेश अध्यक्षों की एवं प्रदेश के सभी सेलो के प्रभारीयों के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा करके फीडबैक लिया। रोहतक जिला प्रभारी हरज्ञान मौखरा एवं जिलाध्यक्ष रोहतक डॉ संदीप हुड्डा ने पुष्प गुच्छ भेंट कर पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा , युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला एवं पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का रोहतक पार्टी कार्यालय में पहुंचने पर स्वागत किया। दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि आज प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह से फेल हो गई है। पिछले 10 दिनों में अपराध की 11 बड़ी वारदातें प्रदेश के अलग-अलग कोने में हुई है, जो दर्शाती है कि हरियाणा में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। बदहाल कानून व्यवस्था के विषय को लेकर जेजेपी जल्द राज्यपाल से मिलेगी। कहा कि अंबाला व यमुनानगर में नकली शराब के कारण 12 लोगों की मौत हुई थी, उस समय साफ हो गया था कि एक जेल उपाधीक्षक लिप्त था और जेल के अंदर से गैंगस्टर के फोन करवाता था।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
RMO 4
ICU STAFF 6
NURSING STAFF 4
PRO/MARKETING EXECUTIVE 2
COMPUTER OPERATOR 1
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

जन्मोत्सव को जनसेवा का महायज्ञ बनाया

बेटे के 27वें जन्मदिन पर 27 पौधे किए रोपित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

समाजसेवा, पर्यावरण संरक्षण और मानवीय संवेदनाओं का अनुपम संगम प्रस्तुत करते हुए भारत विकास परिषद् सेक्टर शाखा, अध्यक्ष रमेश अहलावत ने एक प्रेरणादायी आयोजन संपन्न किया। भारत विकास परिषद् सेक्टर शाखा अध्यक्ष व रेजिडेंशियल वेलफेयर सोसायटी सेक्टर 34 के उपाध्यक्ष रमेश अहलावत के सुपुत्र आशीष अहलावत के 27वें जन्मदिवस को समाजहित से जोड़ते हुए परिषद् ने हरित चेतना व मानवता सेवा का अद्वितीय संदेश देते हुए हरित चेतना का संकल्प लेकर आज बेटे के 27वें जन्मदिन पर 27 फलदार पौधे रोपित किए। कार्यक्रम के प्रथम चरण में अतिथियों ने सेक्टर 34 सनसिटी परिसर को हरियाली से मंडित करने हेतु अमरूद, जामुन व आंवला के फलदार पौधे रोपित किए। इन पौधों को "प्रकृति माता को समर्पित हरित अर्पण" बताते हुए इनके संरक्षण व संवर्धन का सामूहिक संकल्प लिया गया। इस अवसर पर वार्ड-12 के पार्षद सुशील नांदल ने विशेष शिरकत कर परिषद् की इस जनहितकारी पहल को प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य नागरिक एवं परिषद् पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें पवन भारद्वाज, राकेश शर्मा, वीणा फोगाट, कृष्ण लाल गिरधर, नरेंद्र मलिक, सतीश शर्मा, मनोज अहलावत, विकास नैन, सचिव राजेंद्र सिंह लाठर, डॉ. जगदीश नांदल, विजयलक्ष्मी नांदल, जिला शिक्षा अधिकारी जींद सुदेश अहलावत, जसवीर हुड्डा, पवन बांगड़, महेंद्र सिंह हुड्डा का भी विशेष सहयोग रहा। पीजीआई रोहतक की टीम ने रक्तदान शिविर को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम में डॉ. रागिनी, नर्सिंग ऑफिसर सुनीता, नीलम, सुमन व राजेश दलाल का विशेष सहयोग रहा।

रोहतक। रक्तदान शिविर में मौजूद आयोजक व अतिथि। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। बरोटे के जन्मदिन पर पौधे लगाते परिजन। फोटो : हरिभूमि

रक्तदान शिविर है जीवनदान का उत्सव

पौधारोपण उपरांत आयोजित रक्तदान शिविर में परिषद् सदस्यों सेक्टर 34, 35, 36, सेक्टर 4 एक्सटेंशन के युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कुल 42 यूनिट जीवनदायिनी रक्त एकत्रित किया। शिविर का कुशल संचालन शाखा के सचिव तरुण गुप्ता व रक्तदान शिविर संयोजक गुलशन उप्पल पर्यावरण संयोजक एम एल अरोड़ा,सेक्टर 34 ,35, 36, सेक्टर 4 एक्सटेंशन के अध्यक्ष कर्नल जयसिंह काद्यान ,सुदीप श्योराण राजेंद्र सिंह दलाल व सुखबीर सिंह माथुर डॉ आनंद देशवाल , ने किया।

पेशाब
की समस्याओं का स्थाई इलाज
• बार-बार पेशाब आना व जलन होना।
• पेशाब की कमजोर धार या रुक-रुक कर आना।
• गुर्दे व नलकी की पथरी से पेशाब में समस्या।
• गदूद/प्रोस्टेट के ऑप्रेशन से पहले अवश्य सम्पर्क करें व ऑप्रेशन से बचें।
डॉ. एम.एस.पूनियाँ
(B.H.M.S., D.N.H.E.) Jaipur
35 वर्षों का अनुभव
परामर्श नि:शुल्क (Free OPD)
समय : सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक
मंगलवार व शुक्रवार को अवकाश रहेगा
कृपया आने से पहले अपना रजिस्ट्रेशन करवा दें:
85709-15000
अशोका होम्योपैथिक हॉस्पिटल
Near Bus Stand, Gali No. 3, Rishi Nagar, Hisar

SHRI BALAJI INSTITUTE OF PARA MEDICAL SCIENCE
सभी सरकारी सेवा में मान्य
आंगनबाड़ी सुपरवाईजर / सहायक / कार्यकर्ता
PHYSICIAN ASSISTANT
MULTI PURPOSE HEALTH WORKER
HEALTH SANITARY INSPECTOR
AYURVEDIC PHARMACY (DAP)
DENTAL HYGIENIST / MACHENIC
C.M.S. & ED / F IRST AID
MEDICAL LAB/ X-RAY TECH.
OPRATION THEATORE TECH.
OPTHALMIC ASSISTANT (DOA)
COMMUNITY HEALTH/EMT
FOOD SAFETY / VETERNARY INSPECTOR
PLASTER, DRESSER, NTT, PT, CTT
BAMS (ALT), BEMS (EH)
Dr. S.K. Saini (Director)
41/29, चाणक्य पुरी, शीला सिनेमा के पीछे, रोहतक-124001
9254233221

खबर संक्षेप

कॉलेज व स्कूल में किया पौधरोपण

सांपला। सरछोटू कन्या महाविद्यालय व माडल स्कूल में बीजेपी द्वारा पौधरोपण अभियान चलाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम उत्सव आनंद रहे। मंडल अध्यक्ष कपिल खत्री प्राचार्य डॉ संतोष हुड्डा ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अभियान एक पौधा मां के नाम के तहत पौधरोपण किया। उन्होंने पौधों के महत्व पर भी प्रकाश डाला। वहीं स्कूल की प्राचार्य नोमिता बत्रा, हेमंत, मनोज, सुशील, सचिन व छात्राओं ने भी पौधे लगाए।

49वें दिन जारी रही अनुबंधित कर्मचारियों की हड़ताल

रोहतक। पीजीआईएमएस के अनुबंधित कर्मचारियों की हड़ताल मेडिकल मॉड पर ताऊ देवी लाल पार्क में 49वें दिन भी जारी रही। सभी कच्चे कर्मचारी पार्क में शांति पूर्वक धरने पर बैठे ओर ठेकेदार और ठेकेदारी प्रथा के खिलाफ नारे लगाए। धरने पर बैठे कर्मचारियों द्वारा सोमवार को होने वाली महापंचायत को लेकर रणनीति तैयार की गई। कर्मचारियों ने जोरशोर से नारे लगाकर प्रदर्शन किया।

बार-बार शिकायतों के बावजूद प्रशासन नहीं कर रहा समाधान, आमजन दुखी

टूटी बदहाल सड़कों और गड्ढों ने बढ़ाई सेक्टरवासियों की परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

सेक्टर-1 और सेक्टर-2 में सड़कें बदहाली की मार झेल रही हैं। कभी इन इलाकों को आधुनिक और सुव्यवस्थित कॉलोनियों के रूप में बसाया गया था, लेकिन आज स्थिति यह है कि यहां की सड़कें टूटी हुई हैं, जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं और रोडियां बिखरी पड़ी हैं। यह हालात महज पुराने इलाकों की नहीं, बल्कि उन सड़कों के हैं जिन्हें मात्र दो से ढाई वर्ष पहले बनाया गया था। समय पर देखरेख नहीं होने और गड्ढों की मरम्मत न होने के कारण अब ये सड़कें पूरी तरह जर्जर हो चुकी हैं।

■ पार्षद बोले जल्द करवाई जाएगी मरम्मत

इन सेक्टरों में लगभग 25 हजार से अधिक की आबादी निवास करती है। यहां के निवासी समय पर संपत्ति कर सहित सभी शहरी करों का भुगतान करते हैं, लेकिन बदले में उन्हें बुनियादी सुविधाएं तक नहीं मिल रही हैं। आए दिन लोग नगर निगम और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण व नगर निगम से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही। आलम यह है कि जिन सड़कों से होकर हजारों लोग प्रतिदिन आते-जाते हैं, वे अब हादसों का कारण बन चुकी हैं।

सबसे अधिक दिक्कत वाहन चालकों को हो रही है। बारिश के मौसम में गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे वे दिखाई नहीं देते और वाहन चालक अक्सर गिरकर चोटिल हो जाते हैं। कई बाइक सवार तो इन गड्ढों के कारण गंभीर चोटें खा चुके हैं।

बार-बार मरम्मत से आर्थिक बोझ पड़ रहा

वाहनों की बार-बार मरम्मत करवानी पड़ रही है, जिससे लोगों पर आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है। सेक्टरवासियों का कहना है कि वे हर वर्ष रोड टैक्स, प्रॉपर्टी टैक्स और अन्य शुल्क ईमानदारी से भरते हैं, लेकिन सुविधाओं के नाम पर उन्हें सिर्फ परेशानी ही मिल रही है। टूटी सड़कों से उनकी गाड़ियों की मेंटेनेंस भी बढ़ती जा रही है।

जल्द समाधान की मांग

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इन सड़कों की तत्काल मरम्मत की जाए और सेक्टर में मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित किया जाए। उनका कहना है कि यदि जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो वे फिर से बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे।

बारिश के कारण रुका हुआ था मरम्मत का कार्य

जल्द ही यहां की सड़कों का मरम्मत कार्य करवाया जाएगा। आमजन को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। बारिश के कारण मरम्मत का कार्य रुका हुआ था। जहां पर सड़क ज्यादा खराब है, वहां पर बारिश के बाद ही उसे पूरी तरह से बनाया जाएगा। जल्द ही गड्ढों को भी भरवाया जाएगा। ताकि आमजन को राहत मिल सकें।

-सुशील नांदल, पार्षद, वार्ड-12

बजट नहीं होने की वजह से नहीं हुआ सड़कों का निर्माण

हमारे समय में रुपये सेंक्शन हो गए थे। लेकिन बजट न होने के अभाव में यह काम नहीं हो पाया था। इसके लिए काफी कोशिश भी की। लेकिन बारिश के कारण यह सड़कें और ज्यादा टूट गईं। इसके लिए जल्द से जल्द गड्ढों में मिट्टी डलवाई जानी चाहिए। ताकि आमजन को आवागमन में कोई समस्या न हो।

-कदम अहलावत, पूर्व पार्षद, वार्ड-11

2 साल पहले सुविधाओं के लिए दिया था धरना

स्थानीय निवासी बताते हैं कि आरडब्ल्यूए (रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) की ओर से दो साल पहले एचएसवीपी कार्यालय के बाहर मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन भी किया गया था। उस समय अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि जल्द ही समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके बाद पार्षद के चुनाव भी हो चुके हैं, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। ना तो कोई टेंडर निकाला गया, ना ही कोई मरम्मत कार्य शुरू किया गया।

शिवाजी कॉलोनी वार्ड-16 में टूटी सीवर लाइन बनी हादसे का कारण

■ अधिकारी कर रहे अनदेखी शिकायत करने के बावजूद भी समाधान नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

वार्ड नंबर 16 स्थित शिवाजी कॉलोनी के निवासी इन दिनों भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। क्षेत्र की मुख्य गली में पिछले कई दिनों से सीवर की मेन लाइन का ढक्कन टूटा हुआ पड़ा है, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय निवासी ने इस गंभीर समस्या की शिकायत चार दिन पहले सीवर विभाग में दर्ज करवाई थी, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं किया गया है। हैरानी की बात यह है कि शिकायत के बाद भी संबंधित अधिकारी एसडीओ और जेई ने न तो स्थल का निरीक्षण किया और न ही कोई मरम्मत कार्य शुरू करवाया।

समाजसेवी जसबीर कुमार ने बताया कि यह गली कॉलोनी की मुख्य गली है, जहां से रोजाना बड़ी संख्या में लोग गुजरते हैं। गली में बच्चों और बुजुर्गों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। बीते दिनों इस गली की स्ट्रीट लाइट भी अचानक खराब हो गई थी, जिससे पूरी गली में अंधेरा छा गया। कई घंटे बाद लाइट को ठीक किया गया, लेकिन इस बीच गली में अंधेरा और खुले सीवर की स्थिति लोगों की जान के लिए खतरा बन गई थी। स्थानीय निवासी का कहना है कि उन्होंने बार-बार अधिकारियों से संपर्क किया, लेकिन उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया। जब उन्होंने संबंधित अधिकारी को कॉल किया, तो अधिकारी ने उनका नंबर ही ब्लैकलिस्ट में डाल दिया। यह न केवल लापरवाही का उदाहरण है, बल्कि एक जिम्मेदार सरकारी कर्मचारी का असंवेदनशील रवैया भी दर्शाता है। कॉलोनीवासियों का कहना है कि अगर इस खुले सीवर में कोई गिर जाता है, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा, क्या तब भी विभाग जागेगा।

अगर इस तरह की कोई समस्या है तो तुरंत उसका समाधान किया जाएगा। आमजन को इस तरह से परेशान नहीं होने दिया जाएगा। शिकायत कहां कि है इसको देखते है, और जल्द समाधान करवा दिया जाएगा।

-विनित कुमार, एसडीओ जनस्वास्थ्य व अभियांत्रिकी विभाग

अधिकारियों की कार्यशैली पर नाराजगी जताई

घटना के समय मौके पर जसबीर कुमार, पंकज, रमेश, गुलशन, गौरव समेत अन्य लोग भी मौजूद थे, जिन्होंने हालात का जायजा लिया और अधिकारियों की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। कॉलोनी के लोगों का कहना है कि यह केवल सीवर की समस्या नहीं, बल्कि प्रशासन की उदासीनता और जवाबदेही की कमी का बड़ा उदाहरण है।

मजदूरों का वेतन कम से कम 30 हजार हो

रोहतक। ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर की एक बैठक राज्य यूनियन के अध्यक्ष कॉमरेड राजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन राज्य सचिव कॉमरेड हरि प्रकाश ने किया। कॉमरेड हरि प्रकाश ने कहा कि सरकार लगातार मजदूर और कर्मचारी विरोधी नीतियां लागू कर रही हैं। चार लेबर कोड लाकर लगभग सभी श्रम कानूनों को समाप्त कर दिया गया है। मजदूरों की मांगों पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पिछले दस वर्षों से प्रदेश में न्यूनतम वेतन नहीं बढ़ाया गया है। बढ़ती महंगाई के अनुसार यह वेतन कम से कम 30000 प्रति माह होना चाहिए। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग को सरकार नजरअंदाज कर रही है।

आंदोलन के दबाव में एनपीएस की जगह यूपीएस लाकर कर्मचारियों के साथ छल किया जा रहा है। प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर है और विभिन्न विभागों में लाखों पद खाली पड़े हैं। फैक्ट्रियों में श्रम कानूनों का खुला उल्लंघन हो रहा है। आशा, मिड-डे मील, आंगनबाड़ी जैसी स्कीम वर्करों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा नहीं दिया जा रहा, न ही उन्हें श्रमिक अधिकार प्राप्त हैं।

निर्माण कार्यों में लगे मजदूरों को उनके लाभ भ्रष्टाचार के कारण नहीं मिल पा रहे हैं। केवल आउटसोर्सिंग, ठेका, कैजुअल और अब 'कौशल रोजगार' के नाम पर स्थायी नौकरियों के रास्ते बंद किए जा रहे हैं। इन मांगों को लेकर आगामी 4 सितंबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक विशाल प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। बैठक में राजेंद्र सिंह, ईश्वर सिंह राठी, हरिप्रकाश, राजू, मास्टर सुबेसिंह, शेरसिंह, रामफल, सतीश, पुष्पा दलाल, कृष्णा मढ़ाना, मेहर सिंह आदि साथियों ने हिस्सा लिया।

ये हैं लंबित मांगें

- चारों लेबर कोड को वापस लिया जाए
- पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बहाल किया जाए
- सभी स्कीम वर्करों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए
- सभी रिक्त पदों को अविलंब भरा जाए

250 मरीजों ने उठाया स्वास्थ्य जांच शिविर का लाभ

■ 250 से अधिक मरीजों ने पंजीकरण कराकर नेत्र रोग, ईएनटी, जनरल मेडिसिन, दंत चिकित्सा, बीपी, शुगर की करवाई जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

जनकल्याण और सामाजिक सेवा की प्रेरणा से संतोष कैंसर फाउंडेशन एवं वी केयर कैंसर सेंटर व मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, रोहतक के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को टिकाणा संत बाबा माछी शाह जी, जवाहर नगर, रोहतक में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में 250 से अधिक मरीजों ने पंजीकरण कराकर नेत्र रोग, ईएनटी, जनरल मेडिसिन, दंत चिकित्सा, बीपी, शुगर, और मौसमी संक्रामक रोगों से संबंधित जांच एवं परामर्श सेवाओं का निःशुल्क लाभ उठाया। साथ ही निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। शिविर में जिन विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं दीं, उनमें डॉ. विकास कक्कड़, डॉ. भूषण कथूरिया, डॉ. श्याम नागपाल, डॉ. हिमानी ढींगरा, डॉ. रोहित अरोड़ा, डॉ. शैलेन्द्र बामल, डॉ. तुषार , और डॉ. रोहित जाखड़ शामिल रहे। इन सभी चिकित्सकों ने रोगियों को संपूर्ण स्वास्थ्य परामर्श एवं उपचार संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किया।

शिविर के दौरान संतोष कैंसर फाउंडेशन की टीम द्वारा मानसून के मौसम में फैलने वाले संक्रमण, कैंसर जागरूकता, और भारत सरकार की प्रमुख स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में भी जागरूकता फैलाई गई, ताकि आमजन समय रहते उपचार प्राप्त कर सकें और सतर्क रह सकें। डॉ. भूषण कथूरिया, प्रमुख कैंसर विशेषज्ञ ने कहा, हमारा उद्देश्य केवल इलाज देना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और आवश्यक संसाधनों तक पहुंचाना है। यह शिविर उसी दिशा में एक प्रयास है। आने वाले समय में भी ऐसे कई शिविरों का आयोजन किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन वास्तव में समाज की ज़रूरत हैं और ऐसे प्रयास हर वर्ग तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने में सहायक हैं।

गीता कॉम्पलेक्स में खुला शहर का पहला जेमलैब शोरूम

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

दिल्ली रोड पर पुराने सेशन कोर्ट के सामने गीता कॉम्पलेक्स में रविवार को जेमलैब शोरूम का उद्घाटन पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर ने बतौर मुख्य अतिथि किया। इस अवसर पर सहगल ज्वैलर्स के निदेशक एवं जेमलैब क्षेत्रीय सहयोगी देवेंद्र सहगल, जेमलैब के सीईओ दविंद्र सिंह, डायरेक्टर सविंद्र सिंह,बिजनैस हेड पुनित माथुर और फ्रेंचाइज हेड राकेश गुसाई मौजूद रहे।

क्षेत्रीय सहयोगी देवेंद्र सहगल ने बताया कि उनका 15 साल का सपना आज शोरूम खुलने के साथ पूरा हो गया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में ये पहला प्रमाणित रत्नों का एक्सक्लूसिव शोरूम है। ऐसे ही शोरूम अब राज्य के दूसरे शहरों में भी खोले जाएंगे। इन शोरूम में प्राकृतिक प्रमाणित रत्न उपलब्ध होंगे। सहगल ने कहा कि जेमलैब ब्रांड पिछले 25 वर्ष से रत्न उद्योग में गुणवत्ता, पारदर्शिता और तकनीकी नवाचार का प्रतीक रहा है। जेम ट्रेक सिस्टम रत्नों की खदान से ग्राहक तक पूर्ण प्रमाणिकता और भरोसे के साथ पहुंचाना सुनिश्चित करता है। जो अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।

जेमलैब न केवल भारत में बल्कि 100 से अधिक देशों में काम रही है। 5 हजार से अधिक ज्वैलर्स कारोबार को दिन-रात बढ़ाने में लगे हुए हैं। जेमलैब जल्द ही दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, सूरत, जयपुर, बैंगलोर सहित भारत के प्रमुख शहरों में अपनी ब्रांच खोलने जा रहा है। इसके अलावा अमेरिका, यूके, दुबई तक विस्तार किया जाएगा। समाजसेवा में भी अहम भूमिका निभाने के बारे में जेमलैब क्षेत्रीय सहयोगी देवेंद्र सहगल ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सामाजिक सरोकारों से जेमलैब का गहरा नाता रहा है।

जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने की मीटिंग

रोहतक। जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन की मीटिंग डीएसओ स्पोर्ट्स एकेडमी, झज्जर चुंगी में हुई। इसमें यह तय किया गया कि जिला योगासन के खेल दो और तीन अगस्त को करवाएं जाएं। इन खेलों में राकेश बुधवार (सचिव), जगदीप सिंह (मीडिया प्रभारी), पूनम (तकनीकी इंचार्ज) की जिम्मेदारी दी गई। आज मीटिंग में सुमित गुलिया, अनिल खत्री, अजय, दूर्गा देवी, नविता, सीमा, ज्योति शर्मा, राजेश, टींकू आदि शामिल हुए। जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव राकेश बुधवार ने बताया कि पहले योगा के 5 इवेंट होते थे। इस बार 12 इवेंट होंगे और खेलों को निष्पक्ष रूप से करवाया जाएगा। किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। योगासन को जल्द ही ओलम्पिक में भी शामिल किया जाना है।

कैबिनेट मंत्री ने कांवड़ियों का स्वागत किया

रोहतक। हरिद्वार से कांवड़ लेकर आ रहे रोहतक को-ऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन हरीश कौशिक सहित अन्य कांवड़ियों के गोहाना पहुंचने पर सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने स्वागत किया। कैबिनेट मंत्री ने हरीश कौशिक एवं मास्टर विशु को सत्कार स्वरूप सप्रेम फटका भेंट किया। अरविंद शर्मा ने रोहतक को-ऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन हरीश कौशिक एवं अन्य शिव भक्तों की प्रशंसा की। शिव भक्तों द्वारा भगवान शिव के जयकारे लगाए गए।

देश के 25वें स्वच्छ रोहतक शहर को सांस लेने के लिए शुद्ध हवा ही नहीं, सिस्टम पर खड़े हैं सवाल

अमरजीत एस गिल ⏭रोहतक

■ साल 2024 में केवल 33 दिन ही मिली सांस लेने के लायक हवा,70-80 प्रतिशत आबादी तरसती है पीने के पानी की बूंद-बूंद के लिए

गत 17 जुलाई को स्वच्छता को लेकर रोहतक शहर ने देश में भले ही 25वां स्थान हासिल कर लिया हो। लेकिन शहर की आबोहवा सांस लेने के लायक कतई नहीं है। सालभर हवा में पीएम 2.5 की मात्रा 50 से अधिक रहती है। सरकारी आंकड़े वायु खराब होने की पुष्टि करते हैं। मानूसन सीजन को अपवाद मान लें तो सालभर लोगों को यहां सांस लेने के लायक हवा तक उपलब्ध नहीं है। अगर एक्यूआई 0 से 50 तक है तो वह सांस लेन के हिसाब से ठीक है। 51 से 100 तक वायु गुणवत्ता मध्यम, 101 से 150 तक संवेदनशील व्यक्तियों के लिए अस्वस्थ, 151 से 200 तक अस्वस्थ, 201 और 300 तक सही नहीं। 300 से अधिक है तो पूरी खराब है। मामला केवल सांस लेने तक का नहीं है। शहर की 70-80 फीसदी आबादी को तो पीने का पानी भी मयस्यर होता नहीं है। सांस लेने को स्वच्छ हवा नहीं और पीने के लिए पानी भी नहीं। ऐसे में शहर को लेकर प्रशासन, मैं, आप और कोई भी कितनी ही डींग मार ले। जो जमीनी हकीकत है, वह किसी से छुप नहीं सकती। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड का डाटा बता रहा है कि केवल मानसून सीजन के कुछ दिनों में ही शहर में सांस लेने के मुनासिब होता है। साल 2024 के 365 में से केवल 33 दिन ही लोगों को सांस लेने के लिए ठीक हवा मिली। न केवल वर्ष 2024, बल्कि इससे पहले के किसी भी साल के डाटा का कोई भी व्यक्ति समीर एप पर अध्ययन कर सकता है।

आंकड़े बोलते हैं

जनवरी 2024 में एक भी दिन आबोहवा में पीएम 2.5 की मात्रा 51 से नीचे नहीं रही। बल्कि प्रदूषण खतरनाक स्थित पहुंचा था। 4 को एक्यूआई 305, 8 को 352, 10 को 314, 17 को 319 दर्ज किया गया। फरवरी में 6 को एक्यूआई 50 था। बाकि के दिनों में जनवरी जैसे ही हाल थे। मार्च में भी जनवरी की स्थिति थी। लेकिन अप्रैल में 1 से लेकर 4 तक और फिर 21 को पीएम 2.5 की मात्रा 50 थी। बाकि दिनों में आबोहवा सांसों लेने के काबिल नहीं थी। पूरी मई और जून में एक्यूआई 50 से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। 5 और 19 जून को आबोहवा खतरे के निशान को भी पार कर गई थी। यानी के प्रदूषण का लेवल 300 से अधिक था। चूंकि जून के अंतिम दिनों में मानसून का प्रदेश में आगमन हो गया था। इसलिए 7 जुलाई को 50, 12 को 49 और 26 को 50 था। अगस्त में 4, 7,8,9,11,12,,16, 17,18,19, 21, 22,23, 26, 27 और 31 को एक्यूआई 50 तक था। इसी प्रकार सितंबर में 4 को, 11,12,14,15,19,28 और 29 को भी स्वच्छ हवा लोगों को मुहैया थी।

सितंबर के अंत में मानूसन विदा हो जाता है। धीरे-धीरे पारा में कमी और हवा की गति मंथन होने पर आबोहवा खराब होने लगती है। दिवाली पर जब जहरीले पटाखे फोड़े जाते हैं तो आबोहवा काफी खराब हो जाती है। नौबत ये होती है कि आंखों में जलन समेत सांस संबंधित बीमारियों के मरीजों पीजीआईएमएम में बढ़ जाते हैं। अक्टूबर में बेकाबू हुआ प्रदूषण आगे चलकर मानसून में ही प्रकृति नियंत्रित करती है, सरकार नहीं। यहां ये भी ध्यान रहे कि प्रदूषण का प्याला सालभर भरा रहता है। इसमें थोड़ी सी हिस्सेदारी फसल कटाई के समय किसान उनके अवशेष जलाकर कर देते हैं तो पूरे देश में किसानों को लेकर हाय-तौबा मच जाती है। साल भर वाहनों का धुंआ वातावरण में जहर घोलता रहता है, उस पर सरकार चूं तक नहीं करती। चूंकि किसान सॉफ्ट टारगेट है, हर कोई उसे ही प्रदूषण के लिए जिम्मेदार ठहरा देता है। जबकि प्रदूषण फैलाने में वह मुश्किल से 15-16 प्रतिशत ही जिम्मेदार होता है।

महाशिवरात्रि पर बलराज कुंडू महम की जनता को देंगे सौगात

हरिभूमि न्यूज ⏭महम

महाशिवरात्रि के मौके पर 23 जुलाई को महम में जन सेवक पार्टी कार्यालय में पूर्व विधायक बलराज कुंडू कार्यकर्ता मीटिंग को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे हलका महम की जनता के लिए खास सौगत देने की घोषणा कर सकते हैं। पूर्व विधायक बलराज कुंडू इस दिन विधानसभा चुनाव के बाद सुबह 10 बजे हलका महम के कार्यकर्ताओं की एक विशाल कार्यकर्ता मीटिंग को संबोधित करेंगे। हलका महम में चुनाव के बाद उनका यह बड़ा कार्यक्रम है। बलराज कुंडू हजपा सुप्रीमो हैं और प्रदेशभर में पैदल यात्रा कर चुके हैं। समाजसेवा के लिए वे विशेष रूप से जाने जाते हैं।

कई साल तक उन्होंने हलका महम की छात्राओं के लिए निशुल्क बस यात्रा की सुविधा दी थी। विधानसभा चुनाव तक उन्होंने महम हलके की बेटियों को कॉलेज, स्कूल और विश्वविदयालय तक पहुंचाने के लिए फ्री बस सेवा चलाई थी। विधानसभा चुनाव के बाद उन्होंने यह बस सेवा बंद कर दी थी, लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि अब पार्टी कार्यकर्ताओं की मांग पर एक अगस्त से नए शैक्षणिक सत्र से कॉलेज और विश्वविद्यालय जाने वाली बेटियों के लिए बस सेवा फिर से शुरू कर रहे हैं। हालांकि यह तो समय ही बताएगा कि वे क्या घोषणा करते हैं, लेकिन वे फिर से हलका महम में राजनैतिक गतिविधियां शुरू करेंगे। इससे उनके विरोधियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20